

अध्याय - 1 | फसल उत्पादन और प्रबंधन

QUIZ
PART-05

1. फसलों को नियमित रूप से पानी देने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?

- A. बुआई
B. कटाई
C. सिंचाई
D. निराई (C)

व्याख्या: फसलों को नियमित अंतराल पर पानी की आपूर्ति करने की प्रक्रिया सिंचाई कहलाती है।

2. जल पौधों के लिए क्यों आवश्यक है?

- A. केवल रंग के लिए
B. वृद्धि और परिवर्धन के लिए
C. केवल फूलों के लिए
D. केवल जड़ों को सुखाने के लिए (B)

व्याख्या: जल पौधों की वृद्धि और परिवर्धन के लिए आवश्यक है तथा बीज अंकुरण में भी सहायक होता है।

3. सिंचाई का समय मुख्यतः किस पर निर्भर करता है?

- A. केवल बीज के रंग पर
B. फसल, मिट्टी और मौसम पर
C. केवल किसान की इच्छा पर
D. केवल खेत के आकार पर (B)

व्याख्या: सिंचाई का समय फसल के प्रकार, मिट्टी के प्रकार और मौसम पर निर्भर करता है।

4. ग्रीष्म ऋतु में सिंचाई अधिक बार क्यों करनी पड़ती है?

- A. वर्षा अधिक होती है
B. जल की कमी अधिक होती है
C. मिट्टी ठंडी होती है
D. पौधे पानी नहीं लेते (B)

व्याख्या: ग्रीष्म ऋतु में वाष्पीकरण और वाष्पोत्सर्जन के कारण जल की कमी अधिक होती है।

5. इनमें से कौन सिंचाई का स्रोत है?

- A. कुआँ
B. दरांती
C. हल
D. कुदाल (A)

व्याख्या: कुआँ, हैंडपम्प, तालाब, झील, नदी, बाँध और नहरें सिंचाई के स्रोत हैं।

6. निम्न में से कौन सिंचाई का पारंपरिक तरीका है?

- A. स्पिंकलर
B. ड्रिप सिस्टम
C. रहट
D. सीड ड्रिल (C)

व्याख्या: मोट, चैन पंप, डेकली और रहट सिंचाई के पारंपरिक तरीके हैं।

7. सिंचाई के आधुनिक तरीकों में कौन-सा शामिल है?

- A. रहट
B. डेकली
C. छिड़काव तंत्र
D. मोट (C)

व्याख्या: छिड़काव विधि और बूंद-बूंद विधि सिंचाई के आधुनिक तरीके हैं।

8. छिड़काव तंत्र में पानी किस प्रकार दिया जाता है?

- A. केवल जड़ों में
B. बारिश की तरह छिड़ककर
C. बाल्टी से
D. हाथ से (B)

व्याख्या: स्पिंकलर प्रणाली में पंप की सहायता से पानी नोजल द्वारा बारिश की तरह छिड़का जाता है।

9. बूंद-बूंद तंत्र में पानी कहाँ पहुँचाया जाता है?

- A. केवल पत्तियों पर
B. सीधे जड़ों के पास
C. केवल तने पर
D. खेत के बाहर (B)

व्याख्या: बूंद-बूंद तंत्र में पानी सीधे पौधों की जड़ों के पास बूंद-बूंद करके पहुँचाया जाता है।

10. जल की कमी वाले क्षेत्रों के लिए कौन-सी सिंचाई विधि अधिक उपयोगी है?

- A. बूंद-बूंद तंत्र
B. रहट
C. मोट
D. डेकली (A)

व्याख्या: बूंद-बूंद तंत्र जल को व्यर्थ होने से रोकता है और जल की कमी वाले क्षेत्रों में अत्यधिक उपयोगी है।